

प्रधानमंत्री 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करेंगे

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री उत्तराखण्ड में 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक होने वाले **38वें राष्ट्रीय खेलों** का उद्घाटन करने जा रहे हैं।

मुख्य बंदि

- खेलों का परचिय:
 - भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने उत्तराखण्ड को 2025 राष्ट्रीय खेलों की मेज़बानी के लिये घोषित किया है।
 - राज्य के कई शहरों में 38 खेलों में प्रतस्पर्द्धा करते हुए 10,000 से अधिक एथलीट, अधिकारी और कोच भाग लेंगे।
- भारतीय खेलों के लिये ऐतहासिक घटना:
 - IOA अध्यक्ष पीटी उषा ने 38वें राष्ट्रीय खेलों को भारत में पारंपरिक और आधुनिक खेलों को बढ़ावा देने के लिये एक महत्त्वपूर्ण आयोजन बताया।
 - कलरीपयट्टू, योगासन, मल्लखंब और राफ्टिंग जैसे प्रदर्शनकारी खेलों को शामिल करना भारत की समृद्ध वरिसत के प्रतस्पर्द्धाजलि है तथा उभरते हुए एथलीटों के लिये एक अवसर है।
- राष्ट्रीय खेलों का परचिय:
 - राष्ट्रीय खेल एक ओलंपिक शैली का आयोजन है जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एथलीट पदक के लिये प्रतस्पर्द्धा करते हैं।
 - वर्ष 2025 के संस्करण में 32 मुख्य खेल वधिएँ और चार प्रदर्शन कार्यक्रम शामिल होंगे।
- पछिले संस्करण:
 - वर्ष 2023 के राष्ट्रीय खेल गोवा में आयोजित किये जायेंगे और पाँच शहरों - मापुसा, मडगांव, पंजमि, पोंडा, वास्को में आयोजित किये जायेंगे।
 - महाराष्ट्र 80 स्वर्ण सहति 228 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।
 - गुजरात में वर्ष 2022 का आयोजन 2015 के बाद सात वर्ष के अंतराल के बाद इस आयोजन का पुनरुद्धार होगा।

कलरीपयट्टू

- यह मानव शरीर के प्राचीन ज्ञान पर आधारित एक मार्शल आर्ट है।
- इसकी उत्पत्ति तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के दौरान केरल में हुई थी। अब यह केरल और तमलिनाडु के कुछ हस्सिों में प्रचलित है।
- जसि स्थान पर इस मार्शल आर्ट का अभ्यास किया जाता है उसे 'कलारी' कहा जाता है। यह एक मलयालम शब्द है जसिका अर्थ है एक तरह का व्यायामशाला। कलारी का शाब्दिक अर्थ है 'खलहिन' या 'युद्ध का मैदान'। कलारी शब्द पहली बार तमलि संगम साहित्य में युद्ध के मैदान और युद्ध क्षेत्र दोनों का वर्णन करने के लिये आया है।
- इसे अस्तित्व में सबसे पुरानी युद्ध प्रणालियों में से एक माना जाता है।
- इन्हें आधुनिक कुंग-फू का जनक भी माना जाता है।



मल्लखंब

- मल्लखंब एक पारंपरिक खेल है, जिसकी उत्पत्ति भारतीय उपमहाद्वीप में हुई है, जिसमें एक जमिनास्ट एक ऊर्ध्वाधर स्तंभ या लटकी हुई लकड़ी के खंभे, बेंत या रस्सी के साथ हवाई योग या जमिनास्टिक आसन और कुशती की पकड़ का प्रदर्शन करता है।
- मल्लखंब नाम मल्ला, जिसका अर्थ है पहलवान और खंब, जिसका अर्थ है खंभा से लिया गया है। शाब्दिक अर्थ "कुशती का खंभा" है, यह शब्द पहलवानों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले पारंपरिक प्रशिक्षण उपकरण को संदर्भित करता है।
- मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र इस खेल के केंद्र रहे हैं।

